ओलु घनी आवे नारायण नींद कोनी आवे

ओलु घनी आवे नारायण,
नींद कोनी आवे,
सुती का सपना में,
झालर बाजे रे,
ना रे थारी ओलु घनी आवे।bd।

गढ़ रे अयोध्या नगरी में,
नारायण जन्म तुम्हारो,
माता कौशल्या को,
लाल कवायो रे नारायण,
ओलु घनी आवे रे।bd।

गढ़ रे रुणीजा नगरी में,
नारायण जन्म तुम्हारो,
माता मेणा दे को,
लाल कवायो रे नारायण,
ओलु घनी आवे रे।bd।

अरे गढ़ रे गोकुल में,
नारायण जन्म तुम्हारो,
माता यशोदा को,
लाल कवायो रे नारायण,
ओलु घनी आवे रे।bd।

अरे गढ़ रे मालासर में,
नारायण जन्म तुम्हारो,
माता साडू जी को लाल,
कवायो रे नारायण,
ओलु घनी आवे रे।bd।

अरे देव रे मंडल की,
नारायण सुनो विनती,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सारे मोती गुर्जर,
शरणे आयो रे नारायण,
ओलु घनी आवे रे।bd।

ओलु घनी आवे नारायण,
नींद कोनी आवे,
सुती का सपना में,
झालर बाजे रे,
ना रे थारी ओलु घनी आवे।bd।

प्रेषक – मोतीलाल चांदना किशनगढ़
Mo. 9521785317

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com